

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 18, शरीर का पुनरुत्थान, अंतिम निर्णय का समय

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 18 है, शरीर का पुनरुत्थान, अंतिम निर्णय का समय।

हम शरीर के पुनरुत्थान के साथ एस्केटोलॉजी या अंतिम चीजों का अपना अध्ययन जारी रखते हैं।

हमने कहा है कि पुनरुत्थान का समय मसीह के दूसरे आगमन के बाद युग के अंत में है। हमने कहा कि अच्छे लोग इस बात पर असहमत हैं कि इसमें कितने चरण शामिल हैं। और पोस्ट-मिलेनियलिज्म एक पुनरुत्थान को मानता है।

ऐतिहासिक प्री-मिलेनियलिज्म दो को मानता है। डिस्पेंसेशनल प्री-मिलेनियलिज्म तीन पुनरुत्थान को मानता है। हमने कहा कि पुनरुत्थान का दायरा सार्वभौमिक है और दानियेल 12:2, यूहन्ना 5:28-29, प्रेरितों के काम 2:4-15, और प्रकाशितवाक्य 20:11-15 का हवाला दिया।

पुनरुत्थान शरीर की प्रकृति एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण अध्ययन है। और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे वर्तमान शरीर और हमारे पुनरुत्थान शरीर के बीच निरंतरता और असंततता दोनों हैं। निरंतरता।

शायद सबसे महत्वपूर्ण आयत रोमियों 8:11 है। यहाँ मेरी शिक्षा है। हमारा शरीर ब्रह्माण्ड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो कि स्थूल जगत है।

पुनरुत्थान के बारे में कहने वाली पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये शरीर ही हैं जो जी उठेंगे। ओह, वे रूपांतरित होने जा रहे हैं। वे आश्चर्यजनक रूप से नए बनाए जाएंगे, जिन्हें हम अभी पूरी तरह से समझ भी नहीं सकते।

लेकिन मुख्य बात यह है कि हमारे वर्तमान शरीर और हमारे पुनरुत्थान शरीर के बीच निरंतरता है। इसी तरह, नया स्वर्ग और नई पृथ्वी आश्चर्यजनक रूप से नई होने जा रही है, लेकिन रोमियों 8 इस सूक्ष्म जगत और स्थूल जगत को जोड़ता है। व्यक्तिगत विश्वासियों के शरीर का पुनरुत्थान।

पुनरुत्थान, या मोचन, ब्रह्मांड की भाषा है। यह वर्तमान पृथ्वी है जिसका नवीनीकरण किया जाएगा। वर्तमान पृथ्वी पूरी तरह से नष्ट नहीं हुई है, बल्कि एक नई पृथ्वी बनाई गई है।

कुछ लोगों ने ऐसा माना है, और हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर एक वास्तविक आम सहमति है, यहाँ तक कि सुधारवादी इंजीलवादियों के बीच और इंजीलवादी ईसाइयों के बीच भी इस मुद्दे पर एक वास्तविक आम सहमति है। लेकिन हम ब्रह्मांड के बारे में नहीं बल्कि

शरीर के पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहे हैं। रोमियों 8:10 कहता है, यदि मसीह तुम में है, तो यद्यपि शरीर पाप के कारण मरा हुआ है, परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है।

यहाँ मुख्य आयत रोमियों 8:11 है। यदि यीशु को मृतकों में से जिलाने वाले की आत्मा पिता है। इसलिए पवित्र आत्मा को पिता की आत्मा कहा जाता है, और यहाँ आपके पास तीनों त्रित्ववादी व्यक्ति हैं।

यह पॉल का पुराना कथन है। यदि यीशु को मरे हुएओं में से जिलाने वाले की आत्मा तुममें वास करती है, तो जिसने मसीह यीशु को मरे हुएओं में से जिलाया, वह तुम्हारे नश्वर शरीरों को भी अपने पवित्र आत्मा के द्वारा जो तुममें वास करता है, जीवन देगा। पिता जिसने यीशु को मरे हुएओं में से जिलाया, वह हमारे नश्वर शरीरों को जीवन, पुनरुत्थान का जीवन देगा, और वह यह आत्मा के द्वारा करेगा।

आमतौर पर, धर्मग्रंथ यीशु के पुनरुत्थान का श्रेय सीधे पिता को देते हैं या तथाकथित दिव्य निष्क्रियता के उपयोग से। जॉन के सुसमाचार में दो बार, अध्याय 2, इस मंदिर को नष्ट कर दो। मैं इसे फिर से खड़ा करूँगा। अध्याय 10, मैं अपना जीवन देता हूँ, मैं इसे फिर से लेता हूँ।

यीशु ने खुद को वहाँ अनोखे ढंग से उभारा है - कई बार, 1 तीमुथियुस, 1 पतरस उनमें से एक है। मैं लंबी बातें पढ़ाने से बहुत डरता हूँ।

1 पतरस 3, आत्मा का पुनरुत्थान और रोमियों 1 की शुरुआत में, आत्मा यीशु के पुनरुत्थान में शामिल है। यहाँ हमारा मुद्दा यह है कि इन शरीरों और हमारे पुनरुत्थान शरीर के बीच, हमारे वर्तमान शरीर के बीच निरंतरता है। मैं अपने बहुवचन और एकवचन का उपयोग करता रहता हूँ।

मेरा शरीर जी उठेगा, और अगर आप मसीह में विश्वासी हैं तो आपका भी जी उठेगा। हर कोई जी उठेगा, लेकिन विश्वासियों के लिए, वर्तमान शरीर और पुनरुत्थान शरीर के बीच असंततता की तुलना में अधिक निरंतरता है। तो आप समझ गए।

पिता हमारे नश्वर शरीरों को जीवन देगा। अब, 1 कुरिन्थियों 15 कहता है कि नश्वर शरीर अमर शरीर बनने जा रहा है, एक बहुत बड़ा परिवर्तन। लेकिन यह नश्वर शरीर ही है जो अमर शरीर बनता है।

वास्तव में, यीशु उन लोगों में से पहला फल है जो सो गए हैं। इसलिए, मैं श्रद्धापूर्वक कहता हूँ, यीशु मृतकों के पुनरुत्थान का आदर्श है, यदि आप चाहें तो। 1 कुरिन्थियों 15, पॉल के सुसमाचार के लिए, कहता है कि मसीह को क्रूस पर चढ़ाया गया, दफनाया गया, और शास्त्रों के अनुसार जी उठाया गया।

आयत 20 और 21 हमें दो आदमों की तुलना करते हुए बताते हैं, 1 कुरिन्थियों 15:20 और 21, कि मसीह को मृतकों में से जीवित किया गया है। यह एक ऐसे अंश का अनुसरण करता है जिसमें

पॉल, ईमानदारी से, यह उन दो चीजों में से एक है जिसने मुझे 21 वर्षीय के रूप में मसीह की ओर अग्रसर किया। मैं विशेष रूप से, मैं नया नियम पढ़ता हूँ, विशेष रूप से पॉल।

हे भगवान, त्रिदेव हर जगह हैं। मैंने कहा था कि कोई भी इसे नहीं बना सकता। यह विश्वास के लिए एक बाधा होगी।

मैंने पहले भी त्रिएकत्व के बारे में सुना था, लेकिन अब मैं त्रिएकत्व के सामने था, खास तौर पर मसीह और सुसमाचार में, और मैंने उस पर विश्वास किया। दूसरी बात थी 1 कुरिन्थियों 15:12 से 19, परमेश्वर की ईमानदारी इस बात पर विचार करने में कि अगर मसीह को नहीं जी उठाया जाता तो क्या हासिल होता। इसने मुझे चौंका दिया।

यदि मसीह को नहीं जी उठाया गया है, तो आपका विश्वास व्यर्थ है। 1 कुरिन्थियों 15:17, आप अभी भी अपने पापों में हैं। वाह, हम परमेश्वर के झूठे गवाह होंगे।

हमारी आशा मूर्खता और निराशा और इसी तरह की अन्य बातों का एक समूह होगी, और वाह। श्लोक 20, लेकिन वास्तव में, मसीह को मृतकों में से उठाया गया है। जो लोग सो गए हैं उनमें से पहला फल।

पहले फल, सचमुच, परमेश्वर को समर्पित फसलों से पहली सब्जियाँ और फल थे, उन्हें धन्यवाद देते हुए, और वे फसल के बाकी हिस्से को दर्शाते हैं। इसी तरह, मसीह पहला फल है। और भी बहुत कुछ आने वाला है।

आखिरकार, यह पुनरुत्थान का अध्याय है। यह उसके पुनरुत्थान पर आधारित है, लेकिन यह हमारे पुनरुत्थान के बारे में है। क्योंकि जैसे एक मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई, ठीक उसके अगले श्लोक में, एक मनुष्य के द्वारा मृतकों का पुनरुत्थान भी आया है।

क्योंकि जैसे आदम में सभी मरते हैं, वैसे ही मसीह में भी सभी, अर्थात् उसके लोग, जीवित किए जाएंगे। मसीह जो पहला फल है, जी उठा है। यूहन्ना 2:19 के अनुसार, इस मंदिर को नष्ट कर दो, और तीन दिन में मैं इसे खड़ा कर दूँगा।

वह अपने शरीर के मंदिर के बारे में बात कर रहे थे। यह यीशु का मानव शरीर है जो जीवन की नवीनता में जी उठा है। इसमें एक परिवर्तन है।

एक परिवर्तन है। वह यह दिखाने के लिए खाता है कि वह बड़ा हो गया है। ल्यूक 23, है ना? मुझे कुछ मछली दो।

मैं नहीं हूँ। हमें यकीन नहीं है कि उसे खाने की ज़रूरत है। यह है, देखो, यहाँ देखो, थॉमस, मेरे हाथों में मेरे बाजू पर निशानों में अपना हाथ रखो। यह उसका है, यह उसका शरीर है।

इसे नया बनाया गया है। इसे आने वाले युग के लिए सुसज्जित किया गया है। वह अब अपमान की स्थिति में नहीं है, बल्कि अब उत्कर्ष की स्थिति में है, लेकिन यह वही मसीह है।

ऐसा कहने के बाद, अगर हम शरीर के पुनरुत्थान की शिक्षा देने वाले विभिन्न अंशों का अध्ययन करें, तो हम फिलिप्पियों 3:20 और 21 को देखते हैं, जो एक बहुत ही उपेक्षित पाठ है। एक लेखन परियोजना के लिए 1 कुरिन्थियों 15 का गहन अध्ययन करने के बाद, एक पुस्तक जिसका नाम है द ग्लोरी ऑफ गॉड एंड पॉल, जिसे मैंने क्रिस्टोफर मॉर्गन के साथ मिलकर लिखा था, मैंने कहा कि सबसे विस्तृत अंश 1 कुरिन्थियों 15 में छंदों के दो सेट हैं, छंद 42 और 43, 53 और 54। लेकिन शरीर के पुनरुत्थान की सबसे अधिक, सबसे सारगर्भित, सबसे शक्तिशाली, संक्षिप्त प्रस्तुति फिलिप्पियों 3:20 है, संदर्भ को समझने के लिए, और 21।

स्वर्ग से, हम एक उद्धारकर्ता, प्रभु यीशु मसीह की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मसीह, जो परिवर्तन करेगा, यही क्रियाशील शब्द है। यह शब्द 1 कुरिन्थियों 15 में बहुत कुछ सारांशित करता है : जो हमारे दीन शरीर को अपने महिमामय शरीर के समान रूपांतरित करेगा।

नम्रता, महिमा। उस शक्ति से जो उसे सभी चीजों को अपने अधीन करने में सक्षम बनाती है। यहाँ, यह मसीह है जो मृतकों को उठाता है और हमारे शरीर को बदलता है।

अब, फिर से, यह हमारा शरीर है। निरंतरता बुनियादी है, लेकिन मेरे दोस्तों, इसके अलावा, इसमें आश्चर्यजनक असंततता या नयापन है। तो, इसमें निरंतरता और असंततता दोनों हैं।

मैं सिर्फ रेखांकित कर रहा हूँ। आधार निरंतरता है। यह किसी और का शरीर नहीं है जो आपको मिलने वाला है। आप अभी एक महिला हैं, और आप तब भी एक महिला ही रहेंगी।

जाहिर है, हमारी ज़रूरतें और इच्छाएँ अलग-अलग होंगी, लेकिन हम अनंत काल तक लिंग के अनुसार ही रहेंगे। वर्तमान शरीर, दीन। पुनरुत्थान शरीर, गौरवशाली।

यह कैसे नीच है? क्या भगवान मानव शरीर का अपमान कर रहे हैं? नहीं। यह नीच है क्योंकि यह बीमारी, कमजोरी और मृत्यु के अधीन है। यह नीच है क्योंकि इसे कब्र में रखा जाता है, और यह एक हास्यास्पद बात है।

यह परमेश्वर की सुंदर सृष्टि का उपहास है। 1 कुरिन्थियों 15:42 और 43. मैं 1 कुरिन्थियों में कहीं गई बातों पर आगे बढ़ रहा हूँ। यह यही है।

मैं फिलिप्पियों 3:20 और 21 पर आगे बढ़ रहा हूँ। पुनरुत्थान शरीर कैसा है, इसका इससे अधिक संक्षिप्त सारांश नहीं हो सकता। हे भगवान।

लेकिन 1 कुरिन्थियों 15 में बहुत ही सुंदर विवरण दिया गया है। 42 और 43 में धरती में बीज बोने के बारे में बताया गया है। वैसे, यह निरंतरता और असंततता का एक अच्छा चित्र है।

आप सूरजमुखी का बीज बोते हैं। ओह, मुझे यह बहुत पसंद था जब हमारे लड़के छोटे थे क्योंकि बहुत कम समय में सूरजमुखी उगता है, और एक छोटे से बीज से आपको एक पौधा मिलता है

जो बड़ा होता है, और अब यह कुछ महीनों में ही आपके सबसे छोटे बच्चे जितना लंबा हो गया है। फिर यह बढ़ता रहता है।

अब यह उससे लंबा है। अब यह माँ जितना लंबा है। अब यह पिताजी जितना लंबा है।

फिर, यह हर किसी से ऊँचा हो जाता है। कितना सुंदर चित्र है। पॉल सूरजमुखी का नहीं बल्कि बीजों, पौधों और उनके विकास का उपयोग करता है।

यह बुनियादी निरंतरता का एक सुंदर चित्र है। उनके मामले में आपको सूरजमुखी मिलता है। जब आप गेहूँ बोते हैं तो आपको गेहूँ मिलता है।

जब आप गेहूँ बोते हैं तो आपको जौ नहीं मिलता। जब आप जौ बोते हैं तो आपको जौ मिलता है। जो बोया जाता है और जो उगता है, उसके बीच निरंतरता होती है।

ओह, लेकिन मेरी बात में, यहाँ पर असंततता है। मेरा पसंदीदा ऑर्किड है। वे वास्तव में ऑर्किड के बीज हैं, लेकिन आम तौर पर, हम ऑर्किड के पत्तों के बारे में सोचते हैं, और उनसे ऑर्किड के फूल आते हैं।

ओह, मुझे पेनसिल्वेनिया में लॉन्गवुड गार्डन याद है, मुझे लगता है, या न्यू जर्सी। मुझे लगता है कि पेनसिल्वेनिया, हाँ। मैं अपनी माँ के साथ जाता था, जो अब भगवान के पास है।

वहाँ एक ऑर्किड कमरा था। मैं स्वर्ग में था। यह बहुत अद्भुत था।

यह बहुत सुंदर है, और ये सुंदर फूल ऑर्किड से आते हैं, आखिरकार, बीज से। बाद में, स्लिप्स। वाह, यह चौंका देने वाला है।

आप गुलाब की झाड़ियों से ऑर्किड नहीं प्राप्त कर सकते। आप ऑर्किड के पौधों से गुलाब नहीं प्राप्त कर सकते। इसमें निरंतरता है, लेकिन यह कहते हुए कि, असंततता विस्मयकारी और चौंका देने वाली है।

वाह। तो, यह यहाँ है, पौधों की बागवानी छवि के साथ जारी है, बुवाई और कटाई। तो, यह मृतकों के पुनरुत्थान के साथ है।

दरअसल उनके मन में दो विचार हैं। शरीर की महिमा में अंतर है, जिसका उन्होंने अभी वर्णन किया है। शरीर से उनका तात्पर्य भौतिक संस्थाओं से है, और आप जो बोते हैं, वही काटते हैं, लेकिन निरंतरता को देखते हुए, असंततता आश्चर्यजनक है।

तो, यह मृतकों के पुनरुत्थान के साथ है। जो बोया जाता है वह नाशवान है। जो जी उठता है, मैं उसकी कल्पना को थोड़ा और स्पष्ट करूँगा।

वह कहते हैं, "आप ज़मीन में एक बीज बोते हैं। उसे दफ़ना देते हैं। वह नज़रों से ओझल हो जाता है। वह मर जाता है।"

यह चला गया। ठीक है? वह वनस्पतिशास्त्री की तरह बात नहीं कर रहा है। वह दिखावे की भाषा में बात कर रहा है, जिसका इस्तेमाल बाइबल अक्सर करती है।

यह ऊपर आता है, बढ़ता है। वह कहता है कि यह बड़ा हो गया है। वह, बेशक, मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के संदर्भ में सोच रहा है।

यहाँ, 1 कुरिन्थियों 15:42, जो बोया जाता है वह नाशवान है, अर्थात् हमारा वर्तमान शरीर। जो जी उठता है वह अविनाशी है। जो अनादर में बोया जाता है, वह अनादर में बोया जाता है।

यह महिमा में जी उठता है। यह निर्बलता में बोया जाता है, और यह सामर्थ्य में जी उठता है। यह स्वाभाविक देह बोया जाता है, और यह आत्मिक देह जी उठता है।

मैं 1 कुरिन्थियों 15:53, 54 के लिए भी ऐसा ही करूँगा, इससे पहले कि मैं इसे एक चार्ट की तरह सारांशित करूँ और फिर व्यवस्थित करूँ। 1 कुरिन्थियों 15:53 और 54, क्योंकि मसीह के पुनः आगमन पर, मरे हुए अविनाशी रूप में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे - फिलिप्पियों 3:21 में भी यही विचार है।

मसीह परिवर्तन करेगा। परिवर्तन वर्तमान शरीर और पुनरुत्थान शरीर के बीच की कुंजी है। यह वही शरीर है, लेकिन मनुष्य, परिवर्तन अद्भुत है।

इस नाशवान शरीर को, 1 कुरिन्थियों 15:53, अविनाशी पर पहना जाना चाहिए, और इस नश्वर शरीर को अमरता पर पहना जाना चाहिए। और जब ऐसा होता है, तो वह होशे की भाषा में मृत्यु और कब्र का मज़ाक उड़ाता है। फिलिप्पियों 3:20 और 21 से, हम इसे तैयार करते हैं।

वर्तमान शरीर, दीन। पुनरुत्थान शरीर, महिमामय। 1 कुरिन्थियों 15, 1 कुरिन्थियों 15:42, 43, वर्तमान शरीर, नाशवान।

पुनरुत्थान शरीर, अविनाशी। हमारे शरीर सचमुच नष्ट हो जाते हैं। हम हार जाते हैं; मुझे लगता है कि मैं अब छोटा हो गया हूँ, लगभग 75 साल का, जबकि मैं 25 साल का था, दुख की बात है।

कब्र में मेरा शरीर सड़ जाएगा, धूल बन जाएगा। मिट्टी से ही तुम्हें निकाला गया है, और तुम भी मिट्टी ही बन जाओगे। परमेश्वर ने उत्पत्ति 3 में आदम से कहा। हमारा वर्तमान शरीर अपमानित है।

मैं 1 कुरिन्थियों 15:42, 43 का सारांश दे रहा हूँ। यह अनादर में बोया जाता है। यह अपमानित है।

इसे शानदार तरीके से उठाया गया है। यह अपमानित है, शानदार है। मैं इसे नीच और शानदार के समानांतर बना रहा हूँ क्योंकि शानदार दोनों का दूसरा सदस्य है।

नीच शरीर, गौरवशाली शरीर। अपमानित शरीर, इसका क्या मतलब है? लोगों को गाली देना? नहीं, नहीं। इसका मतलब है कि आप भगवान की छवि में बने एक सुंदर इंसान के शरीर को जमीन में गाड़ देते हैं।

यह एक बीमार पिल्ला है। यह वैसा नहीं है जैसा होना चाहिए। आह, हम मरने के लिए नहीं बने हैं।

मृत्यु अंतिम शत्रु है। 1 कुरिन्थियों 15:26. यह है, यह है, यह है, मृत्यु शत्रु है।

यह भयानक है। यह कमजोरी में बोया जाता है। यह शक्ति में उगाया जाता है।

वर्णन: कमज़ोर, शक्तिशाली। यह तीसरे प्रकार का वर्णन है। मैंने अपने लड़कों को खेल खेलना सिखाया।

वे सभी वयस्क पुरुष हैं। मैं कभी नहीं भूलूंगा। सबसे छोटा 15 साल का था जब वह बास्केटबॉल में मुझे हरा सकता था। वह सबसे छोटा था।

उनके बीच बहुत सालों का अंतर है। लेकिन वह मुझे हरा सकता था। वह मेरे सिर के ऊपर से उछला।

यार, उसके चेहरे पर कान से कान तक मुस्कान थी। हम खेलते रहे, और मैंने फिर भी उसे हरा दिया, शायद उससे ज़्यादा जितना उसने मुझे हराया। लेकिन समय के साथ, उसने मुझे उतना ही हराया जितना मैंने उसे हराया।

और फिर, समय के साथ, वह मुझे ज़्यादातर बार हराता रहा। और फिर, आखिरकार, मैंने संन्यास ले लिया। अंदाज़ा लगाइए क्या हुआ? मैं कमज़ोर हो गया।

अभी भी। मैं अपने बेटे को एक जार थमा सकता हूँ जिसे मैं खोल नहीं सकता। अरे, आपको क्या हो गया है, पापा? पापा।

मैं चलता हूँ। मैं उतना कमज़ोर नहीं हूँ जितना हो सकता है। मैं और मेरी पत्नी खुश हैं।

हमारे पास उन प्यारे दोस्तों और प्रियजनों की तुलना में बहुत अच्छा स्वास्थ्य है जो हमारे सामने मर रहे हैं। लेकिन आप बूढ़े हो जाते हैं, आप कमजोर हो जाते हैं। आखिरकार, आप जानते हैं, यहाँ विश्व चैंपियन है, फ्रांस की एक महिला 120 साल की थी।

सच में? क्या आप 120 साल तक जीना चाहते हैं? मुझे इतना यकीन नहीं है। मैं इसके बारे में कोई विवरण नहीं जानना चाहता। क्या आप मजाक कर रहे हैं? वाह।

हमारे पुनर्जीवित शरीर शक्तिशाली होंगे। इसका क्या मतलब है? वे कमज़ोर नहीं होंगे। हम थकेंगे नहीं।

हम यशायाह 40 के अंत के विपरीत होंगे। यहां तक कि युवा पुरुष भी कमज़ोर और थके हुए हैं। ओह, हाँ।

बूढ़े लोग वास्तव में कमज़ोर और थके हुए होते हैं। हमारे पुनरुत्थान वाले शरीर ये शरीर होंगे। वे शक्तिशाली होंगे।

अंत में, ओह, वैसे, मैं 15:53-54 पर जा रहा हूँ क्योंकि यहाँ कोई नई शिक्षा नहीं है। यह एक दोहराव है कि नाशवान अविनाशी को धारण करता है। यह वही भाषा है जो पहले 15:42 में थी।

नश्वर अमरता को धारण करता है। मरने वाला वह धारण करता है जो मर नहीं सकता। मैं इसे एक ही बात मानता हूँ।

तो, मेरे पास तीन अलग-अलग तुलनाएँ हैं। मैं एक चौथी तुलना जोड़ रहा हूँ, और मैं चारों का सारांश दूँगा। प्राकृतिक शरीर आध्यात्मिक शरीर धारण करता है।

ओह, कुछ उदारवादी वास्तव में सिखाते हैं। वे 1 कुरिन्थियों 15 से शरीर के पुनरुत्थान को इस शब्द आध्यात्मिक के आधार पर नकारते हैं। क्या आप गंभीर हैं? मेरा सुझाव है कि आप बाइबल की व्याख्या न करें।

इसे छोड़ दो। 1 कुरिन्थियों 15 यीशु मसीह और विश्वासियों के शारीरिक पुनरुत्थान के बारे में है। आध्यात्मिक प्राकृतिक के विपरीत है, प्राकृतिक के और भी अधिक विपरीत है।

इसका मतलब है पतन के बाद स्वाभाविक। इसका मतलब है इस पतित जीवन और दुनिया से संबंधित। आदम और हव्वा के पाप करने के बाद परमेश्वर ने उन्हें अदन के बगीचे से बाहर निकाल दिया।

यह ईश्वर की दयालुता थी। यह ईश्वर की कृपा और दया थी। क्या वे वास्तव में नश्वर शरीर में हमेशा के लिए जीने के लिए सुसज्जित थे, क्षमा किए जाने के बाद भी पूरी तरह से पवित्र और महिमान्वित नहीं थे? मुझे ऐसा नहीं लगता।

क्या आप वाकई अपने वर्तमान शरीर में हमेशा के लिए जीना चाहेंगे? मैं नहीं चाहूँगा। मैं हर दोपहर झपकी लेता हूँ। हे भगवान।

मैं पैदल चलता हूँ, लेकिन दस चक्कर नहीं लगाता। चर्च में मेरा एक भाई चार या पाँच चक्कर लगाता है। मैं भी ऐसा करता हूँ, और मैं इससे खुश हूँ, और मुझे अच्छा लगता है।

ओह। नहीं, आध्यात्मिक साधन, यदि प्राकृतिक साधन इस पतित दुनिया के लिए उपयुक्त हैं, तो आध्यात्मिक साधन आत्मा द्वारा नियंत्रित होते हैं। न केवल हमारी आत्माएँ बल्कि हमारे शरीर भी आत्मा द्वारा नियंत्रित होंगे ताकि हमें नई पृथ्वी पर अनन्त जीवन के लिए सुसज्जित किया जा सके।

हम वर्तमान में सुसज्जित नहीं हैं क्योंकि हमारे वर्तमान शरीर दीन-हीन, दफ़न में अपमानित, नाशवान, नश्वर, कमज़ोर और प्राकृतिक हैं। पाठ से सामग्री और शिक्षा को निकालने के बाद, मैं संक्षेप में बताता हूँ। सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर ज़ोर देते हुए, सूक्ष्म जगत, मानव शरीर, ब्रह्मांड के स्थूल जगत के विपरीत, इस तरह सिखाया जाना चाहिए: पुनरुत्थान।

निरंतरता प्रबल है। लेकिन ऐसा कहने के बाद, इसमें आश्चर्यजनक असंततता है। ये वर्तमान शरीर आश्चर्यजनक रूप से नए बनाए जाएँगे।

हमारे नए शरीर अविनाशी होंगे। वे बूढ़े और कमज़ोर नहीं होंगे और न ही मरेंगे। महिमामय, परमेश्वर की महिमा से भरे हुए, उनकी महिमा को दर्शाते हुए, उनकी महिमा को प्रकट करते हुए।

महिमा प्राप्त होना पूरे मानव अस्तित्व से संबंधित है, जिसमें शरीर भी शामिल है। महिमा प्राप्त शरीर कैसा दिखता है? मुझे नहीं पता। शायद डैनियल सही है, अध्याय 12, एक और दो।

हम स्वर्ग के सितारों की तरह चमकने जा रहे हैं। मुझे नहीं पता। मैं जानने का दिखावा भी नहीं करता।

शक्तिशाली शरीर। यार, तुम दिन भर टेनिस खेल सकते हो। या फिर चाहो तो गोल्फ के सौ होल भी खेल सकते हो।

और आप उत्साह के साथ प्रभु की सेवा कर सकते हैं। मेरा मतलब है, मुझे उम्मीद है कि हम अभी भी सोएंगे। मुझे सोना बहुत पसंद है।

अमर। नाशवान, अपमानित, कमज़ोर और नश्वर के बजाय। मैं इसे फिर से कहूँगा।

शरीर आत्मिक होगा। पहला कुरिन्थियों 15. 1 कुरिन्थियों 15:42, 43.

इसका मतलब है कि पवित्र आत्मा पुनरुत्थान शरीर को बदल देगा, इसे आने वाले युग के लिए उपयुक्त और उपयुक्त बना देगा। इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे शरीर अमूर्त होंगे। वे शारीरिक/आध्यात्मिक होंगे।

आध्यात्मिक, कैपिटल एस। पवित्र आत्मा द्वारा पूरी तरह से शासित। हम अंतिम निर्णय की ओर बढ़ते हैं। अवलोकन।

अगर आपको अभी तक समझ में नहीं आया है, तो बता दें कि व्यवस्थित धर्मशास्त्रियों को अवलोकन और सारांश पसंद होते हैं। और हम खुद को बहुत ज़्यादा दोहराते हैं। यह हमारे दिमाग का काम करने का तरीका है।

और हम चाहते हैं कि आप कुछ बातें याद रखें। हम अंतिम निर्णय के समय के बारे में बात करना चाहते हैं। अंतिम निर्णय के उद्देश्यों के बारे में।

मैंने जितने भी छात्रों को पढ़ाया, उनमें से लगभग हर एक को अंतिम निर्णय के मुख्य उद्देश्य के बारे में कुछ उलझन थी। अंतिम निर्णय की परिस्थितियाँ। न्यायाधीश कौन होगा? किसका न्याय किया जाएगा? निर्णय का आधार क्या है? अंतिम निर्णय।

अंतिम न्याय का समय युग के अंत में है। मत्ती 13:40 से 43. ये राज्य के दृष्टांत हैं।

मैंने उनके साथ पर्याप्त काम नहीं किया है। जब हम नरक में पहुंचेंगे, तब मैं ऐसा करूंगा। जब हम नरक के विषय पर पहुंचेंगे, तो मुझे कहना चाहिए।

13:40 से 43. जंगली पौधों का दृष्टांत। मनुष्य के पुत्र ने खेत में अच्छे बीज बोये।

खेत दुनिया था। अच्छा बीज राज्य का बेटा है। जब उसके आदमी सो रहे थे, तो किसान, दुश्मन, आया और उनके बीच खरपतवार बो दिया।

जब पौधे उग आए और उनमें दाने लगे, तो खरपतवार भी दिखाई देने लगे। और यहाँ जिस तरह के खरपतवार दिखाए गए हैं, उन्हें आमतौर पर डोर्नेल कहा जाता है, वे पौधों की इतनी नकल करते हैं कि मास्टर कहते हैं, नहीं, उन सभी को मत काटो। आपको अच्छे के साथ-साथ बुरे भी मिलेंगे, अच्छे के साथ-साथ गेहूँ भी, खरपतवार के साथ-साथ गेहूँ भी।

दोनों को कटनी तक साथ-साथ रहने दो। कटनी के समय, मैं काटने वालों से कहूँगा, पहले खरपतवार को इकट्ठा करो और जलाने के लिए उन्हें गट्टरों में बाँधो, लेकिन फिर गेहूँ को मेरे खलिहान में इकट्ठा करो। यह मत्ती 13:24 से 30 का सारांश है।

खरपतवार के दृष्टांत का वर्णन। यीशु कहते हैं कि मनुष्य का पुत्र बोलनेवाला है। खेत संसार है।

अच्छे बीज राज्य के पुत्र हैं। शत्रु शैतान है: खरपतवार, उसके पुत्र।

कटनी युग का अंत है। यह सुंदर है। यीशु हमेशा ऐसा नहीं करते।

यहाँ, वह दृष्टांत की सभी विशेषताओं की पहचान करता है। यह सुंदर है। कटनी युग का अंत है और काटने वाले स्वर्गदूत हैं।

जैसे खरपतवार को इकट्ठा करके आग में जला दिया जाता है, वैसे ही युग के अंत में होगा। मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा। वे उसके राज्य से पाप के सभी कारणों और सभी कानून तोड़ने वालों को इकट्ठा करके आग की भट्टी में डाल देंगे।

उस जगह पर, वे रो रहे होंगे और दांत पीस रहे होंगे। तब धर्मी, यहाँ है, यहाँ है। यह दानियेल 12 से है, पिता के राज्य में सूर्य की तरह चमकेगा।

दानियेल 12:3. जिसके कान हों, वह सुन ले। यह सचमुच युग के अंत में है। तो यह युग के अंत में होगा।

मत्ती 13 और आयत 40. ज़्यादा स्पष्ट रूप से, अंतिम न्याय मसीह के दूसरे आगमन के बाद होगा। मत्ती 25 पर वापस जाएँ।

मनुष्य का पुत्र महिमा में आता है और अपने गौरवशाली सिंहासन पर बैठता है। यह भेड़ और बकरियों का समूह है। यह राष्ट्रों को उसी तरह विभाजित करता है जिस तरह एक चरवाहा भेड़ और बकरियों को विभाजित करता है।

मनुष्य के पुत्र के अपनी महिमा में आने के बाद ही वह विभाजन करता है, और वह धर्मी लोगों को उस राज्य में नियुक्त करता है जो संसार के निर्माण से पहले उनके लिए तैयार किया गया था। वह बकरियों, अधर्मियों को शैतान और उसके स्वर्गदूतों के लिए तैयार की गई अनन्त आग में नियुक्त करता है। अंतिम न्याय, युग का अंत, मसीह के दूसरे आगमन के बाद, पुनरुत्थान के बाद, प्रकाशितवाक्य 20:12 और 13।

इस अंश को पढ़ना अच्छा है। यह अंतिम निर्णय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, बेशक। फिर मैंने एक बड़ा सफ़ेद सिंहासन देखा, प्रकाशितवाक्य 20, 11, और जो उस पर बैठा था, वह परमेश्वर होगा।

उसकी उपस्थिति से, पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिए कोई जगह नहीं मिली। हम बाद में देखेंगे कि जे. ओलिवर बसवेल जूनियर जैसे ईश्वरीय और अध्ययनशील व्यक्ति ने इसे वर्तमान आकाश और पृथ्वी के वास्तविक विनाश के बारे में बोलने के लिए शाब्दिक रूप से लिया। मैं इसे आलंकारिक भाषा के रूप में लेता हूँ, यह कहते हुए कि सिंहासन पर बैठा व्यक्ति पूरी तरह से भयानक है।

वह विस्मयकारी है। उससे डरना चाहिए। घुटनों के बल बैठ जाओ, कुछ इस तरह।

और मैंने मरे हुआँ को देखा, बड़े और छोटे, और महान जो अब दिल से बड़े नहीं लगते, सिंहासन के सामने खड़े थे और किताबें खोली गईं। फिर एक और किताब खोली गई, जो जीवन की किताब है। और मरे हुआँ का न्याय किताबों में लिखे अनुसार, उनके कामों के अनुसार किया गया।

निर्णय कर्मों पर आधारित होता है। मैं कर्म इसलिए कहता हूँ क्योंकि कर्म एक भयावह शब्द है। यह वही शब्द है, एर्गा, कर्म या काम।

और समुद्र ने उन मरे हुआँ को जो उनमें थे दे दिया। मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुआँ को जो उनमें थे दे दिया। और उन में से हर एक का उसके कामों के अनुसार न्याय किया गया।

वैसे, इस श्लोक में प्रश्न है। इसका अर्थ यह है कि सभी मृतक जो कहीं भी मरे हैं, उन्हें जीवित किया जाएगा। लेकिन यह प्रश्न उस छोटे शैतानी जूनियर हाई स्कूल के छात्र के लिए है जो अपने संडे स्कूल के शिक्षक को चकमा देना चाहता है और कहता है, श्रीमती जॉनसन, अगर किसी को

मछली खा जाए, क्लेन खा जाए तो क्या होगा? कोई डूब जाए, तो भगवान उसे कैसे जीवित करेंगे? खैर, जब जॉन कहता है, जब जॉन कहता है कि समुद्र ने मृतकों को छोड़ दिया, तो यह कहने जैसा है कि हर कल्पनीय स्थान जहाँ मृतक हैं, पुनरुत्थान का दृश्य बनने जा रहा है।

तो भगवान उस छोटे शैतान के सवाल का जवाब देते हैं। वह सृष्टिकर्ता है। हे भगवान।

अगर हमारे शरीर पूरी तरह से सड़ चुके हैं, तो क्या आपको लगता है कि जिस सृष्टिकर्ता ने हमें शुरू में ज़मीन की मिट्टी से बनाया था, वह हमारे शरीर को फिर से बना सकता है? मुझे लगता है कि शायद वह ऐसा कर सकता है। हाँ, वह ऐसा कर सकता है। पुनरुत्थान के बाद ही अंतिम न्याय होता है।

उनमें से हर एक का न्याय किया गया। श्लोक 13. फिर, यह उनके कर्मों के अनुसार कहता है।

कर्मों के अनुसार न्याय आपके धर्मशास्त्र के अनुकूल नहीं हो सकता है, लेकिन अगर यह बाइबल है, तो आपको अपने धर्मशास्त्र को समायोजित करने की आवश्यकता है। हाँ, लेकिन यह कर्मों द्वारा उद्धार जैसा लगता है। यह कर्मों द्वारा उद्धार नहीं है।

किसी भी नियम में उद्धार कभी भी कर्मों से नहीं होता। यह केवल अनुग्रह द्वारा होता है, केवल ईश्वर में विश्वास के माध्यम से, और अधिक विशेष रूप से मसीह में। न्याय केवल उसी तरीके से विश्वास या अविश्वास को पहचानता है, जो न्याय करने योग्य या मूर्त है।

और यही लोगों ने किया है। अभी और भी बहुत कुछ होने वाला है, लेकिन अभी के लिए, अंतिम न्याय युग के अंत में होगा, मसीह के दूसरे आगमन के बाद, पुनरुत्थान के बाद, 2 पतरस 3, नए स्वर्ग और नई पृथ्वी से पहले। इसलिए, अगर हम वास्तव में यहाँ शास्त्रों में खोजबीन करें और चीजों को खोजें, तो यह कभी-कभी बहुत विशिष्ट हो जाता है।

3:7. लेकिन परमेश्वर के उसी वचन के द्वारा, जो आकाश और पृथ्वी अभी मौजूद हैं, उन्हें आग के लिए रखा गया है, और न्याय के दिन और अधर्मियों के विनाश तक सुरक्षित रखा गया है। पद 13, उसके वादे के अनुसार, हम नए आकाश और नई पृथ्वी की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिसमें धार्मिकता वास करती है। अंतिम न्याय युग के अंत में, मसीह की वापसी के बाद, पुनरुत्थान के बाद, नए आकाश और नई पृथ्वी से पहले होता है।

अंतिम निर्णय के उद्देश्य। जाहिर है, अंतिम निर्णय का उद्देश्य लोगों को स्वर्ग या नरक भेजना है, है न? बिल्कुल नहीं। अच्छा, आपका क्या मतलब है? शास्त्रों के अनुसार, हमारे भाग्य का निर्धारण, वास्तव में, आप कह सकते हैं, दुनिया के निर्माण से पहले भगवान की योजना में किया जाता है।

लेकिन यहाँ हम अर्थव्यवस्था से निपट रहे हैं। इसलिए, हमारे भाग्य इस जीवन में यीशु मसीह के प्रति हमारी प्रतिक्रिया से निर्धारित होते हैं। अंतिम निर्णय भाग्य निर्धारित नहीं करता है।

यह नियति निर्धारित करता है। तो फिर यही मुख्य उद्देश्य है, है न? नहीं। क्या अंतिम निर्णय का संबंध पुरस्कार और दंड से भी नहीं है? हाँ।

हालाँकि इनाम के पक्ष में कुछ बहस है। क्या यही मुख्य उद्देश्य है? नहीं। अंतिम निर्णय का मुख्य उद्देश्य क्या है, अगर यह लोगों को स्वर्ग या नरक में भेजना नहीं है? पवित्र शास्त्र में हर दूसरे मुख्य उद्देश्य की तरह, अंतिम निर्णय का मुख्य उद्देश्य सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर से संबंधित है।

हां, एक दूसरा उद्देश्य अनंत नियति निर्धारित करना है। और हां, निश्चित रूप से दंड की डिग्री होती है। और मुझे ऐसा लगता है कि, हालाँकि अच्छे लोग असहमत हैं, पुरस्कार की डिग्री होती है।

कुछ लोग डरते हैं कि इससे अनुग्रह को नुकसान पहुँचता है। मैं एक व्याख्यात्मक धर्मशास्त्री हूँ। दिन के अंत में, मैं धर्मशास्त्र के बजाय बाइबिल पर आधारित होना पसंद करूँगा।

मैं अपने धर्मशास्त्र में छेद या विसंगतियाँ रखना पसंद करूँगा और बाइबल आधारित रहूँगा। मुझे ऐसा लगता है कि पुरस्कार सिखाए जाते हैं, और मुझे नहीं लगता कि इससे अनुग्रह को नुकसान पहुँचता है। लेकिन अभी के लिए, इनमें से कोई भी सबसे महत्वपूर्ण नहीं है।

यह महत्वपूर्ण है, और यह बाइबल से भी है। हे भगवान। अंतिम निर्णय भाग्य निर्धारित करता है।

अंतिम निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य परमेश्वर की महिमा करना है। हर चीज़ का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य परमेश्वर की महिमा करना है। हम इसे सिर्फ़ दिखावटी सेवा देते हैं।

हम अपनी प्रार्थना समाप्त करते हैं। आपके सम्मान और गौरव के लिए। आमीन।

और मुझे लगता है कि हम यही चाहते हैं। हालाँकि हम इसे और बेहतर तरीके से कह सकते हैं। हम इसे और भी पूरे दिल से कह सकते हैं और सिर्फ़ ये शब्द नहीं कह सकते।

अंतिम निर्णय परमेश्वर की महिमा, विशेष रूप से उसकी संप्रभुता, धार्मिकता, शक्ति, सत्य और पवित्रता को प्रदर्शित करना है। यह एक कठोर कथन है, मेरे दोस्तों। और अगर इसका दुरुपयोग किया जाए, तो यह सुसमाचार प्रचार की तंत्रिका को काट सकता है, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है।

हर इंसान के भाग्य में भगवान की महिमा होगी। भगवान हारते नहीं। वाह, वाह, वाह, वाह, वाह।

समय समाप्त। मैं समझता हूँ कि परमेश्वर अपने लोगों के उद्धार में महिमावान है। और तुम सही हो, वह महिमावान है।

यह उसकी महिमा, उसकी शक्ति, उसकी कृपा, उसकी संप्रभुता, उसकी दया, उसकी सच्चाई और उसकी पवित्रता को दर्शाता है। ये सभी बातें। क्या आप मुझे यह बताना चाहते हैं कि बाइबल सिखाती है कि मनुष्य के विनाश में परमेश्वर की महिमा होती है? नम्रतापूर्वक, आंसुओं के साथ, मेरा उत्तर हाँ है।

मैं अपना धर्मशास्त्र नहीं बनाता। और मैं यह नहीं कह रहा कि यह परिपूर्ण है। मैं मानता हूँ, जो व्यक्ति त्रुटि चार्ट की डिग्री देता है, वह स्वीकार करता है कि उसमें त्रुटियाँ हैं।

लेकिन बाइबल रोमियों 2:5 में कपटियों, पाखंडियों, दूसरों की निंदा करने वाले और वही काम करने वालों के बारे में सिखाती है, पॉल कहते हैं। आपके कठोर और पश्चातापहीन हृदय के कारण, यह अलग बात है, भले ही कोई व्यक्ति बार-बार पाप से जूझ रहा हो। यदि वे बार-बार पश्चाताप करते हैं, तो यह कठोर और पश्चातापहीन हृदय से अलग है।

मैं नियमित पापों से जूझने की सलाह नहीं दे रहा हूँ, हालाँकि हम सभी ऐसा करते हैं। लेकिन अपने कठोर और पश्चातापहीन हृदय के कारण, आप पाखंडी लोग, संदर्भ में, क्रोध के दिन अपने लिए क्रोध जमा कर रहे हैं जब परमेश्वर का धर्मी न्याय प्रकट होगा। अंतिम न्याय के समय, परमेश्वर की महिमा खोए हुए लोगों की उनकी धर्मी निंदा में ब्रह्मांड के लिए प्रकट होगी।

हम उस दिन परमेश्वर की स्तुति करेंगे। जिम पैकर ने मुझे कई तरीकों से मदद की है, व्याख्या के साथ, धर्मशास्त्र के साथ, और दृष्टिकोण के साथ। वही आदमी जिसने कहा था, अगर आप लोगों को नरक में जाते देखना चाहते हैं, तो आपके साथ कुछ गड़बड़ है, उसने कहा, उस दिन परमेश्वर के न्याय के लिए मेरी समझ और प्रशंसा बहुत बेहतर होगी।

आप मज़ाक नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हमारी बकवास और हमारी मूर्खता और परमेश्वर के प्रति हमारी श्रद्धा की कमी और वह कौन है, यह सब अतीत की बात हो जाएगी। इस संबंध में रहस्योद्घाटन बिल्कुल डरावना है।

प्रकाशितवाक्य 11, परमेश्वर के न्याय के लिए उसकी स्तुति सुनो। मुझे सचमुच लगता है कि यह सच है। हमारे पास मनुष्यों के बारे में बहुत उच्च दृष्टिकोण है और परमेश्वर के बारे में बहुत कम दृष्टिकोण है।

मैं इंजीलवाद में विश्वास करता हूँ। नरक पर एक किताब लिखने के बाद, मैंने मिशन बोर्ड पर अपना स्थान पाने के लिए भीख माँगी। मैं विस्फोट करने वाला था।

और मैंने वर्षों तक खुशी-खुशी सेवा की, उन प्यारे मिशनरियों के लिए प्रार्थना की और उनका मार्गदर्शन करने में मदद की। बहिष्कारवाद का बचाव करने वाली किताब लिखने के बाद, आपको इस जीवन में यीशु के सुसमाचार पर विश्वास करना चाहिए ताकि आप बच सकें। समावेशवाद का विरोध करते हुए, आप इस जीवन में सुसमाचार पर विश्वास किए बिना भी यीशु द्वारा बचाए जा सकते हैं। मुझे खेद है, बाइबल ऐसा नहीं सिखाती है।

ट्रांसवेल रेडियो का अध्ययन किया, मूल्यांकन किया और अपना छोटा सा प्रतीकात्मक समर्थन शुरू किया, जो सच्चा सुसमाचार प्रचार करता है। ओह, क्या वे पूरी तरह से सुधारवादी हैं? खास तौर पर नहीं। लेकिन बचाए नहीं गए लोगों को सुसमाचार की ज़रूरत है, और वे इसे दुनिया की भाषाओं में दे रहे हैं, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष मंत्रालय, और इसी तरह।

प्रभु की स्तुति हो। मैं पूरे दिल से इसके पीछे पड़ गया क्योंकि मुझे कुछ करना था। अगर मेरा मानना है कि उद्धार पाने के लिए आपको सुसमाचार सुनने की ज़रूरत है, तो उन लोगों के बारे में क्या जो नहीं सुन रहे हैं? खैर, ट्रांसवेल रेडियो रेडियो भेजता है और अविश्वसनीय जगहों पर लोगों के समूह ईश्वर के वचनों को सुनने के लिए रेडियो के चारों ओर इकट्ठा होते हैं।

प्रभु की स्तुति करो। अंतिम न्याय का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य हमारा उद्धार नहीं है, हालाँकि इसके लिए हल्लिलूय्याह है। यह पुरस्कार देना नहीं है, हालाँकि यह अच्छा है। यह परमेश्वर के चरित्र की महिमा करना है।

प्रकाशितवाक्य 11:17, और 18. सातवीं तुरही बजने पर, दुनिया का राज्य हमारे प्रभु और उसके मसीह का राज्य बन गया है, और वह हमेशा-हमेशा के लिए राज्य करेगा। और 24 बुजुर्ग जो अपने सिंहासन पर बैठते हैं, उनका मानना है कि यह पुराने और नए नियम के परमेश्वर के लोगों, 12 जनजातियों, 12 जनजातियों के नेताओं और 12 प्रेरितों, सभी युगों के परमेश्वर के पूरे परिवार का प्रतिनिधित्व करता है, जो उनके नेताओं द्वारा प्रतिनिधित्व करते हैं, उनके चेहरे पर गिर गए और भगवान की पूजा की।

हम आपको धन्यवाद देते हैं, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जो है और जो था, क्योंकि आपने अपनी महान शक्ति प्राप्त की है और शासन करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रों ने क्रोध किया, लेकिन आपका क्रोध आया, और मृतकों का न्याय करने और आपके सेवकों, भविष्यद्वक्ताओं और संतों और आपके नाम से डरने वालों को पुरस्कृत करने का समय आ गया, चाहे वे छोटे हों या बड़े, और पृथ्वी के विध्वंसक को नष्ट करने का समय आ गया। स्वर्ग में प्रभु परमेश्वर का मंदिर खोला गया, और वाचा का संदूक उसके मंदिर के भीतर देखा गया।

बिजली की चमक, गड़गड़ाहट, गड़गड़ाहट और भूकंप, और भारी ओले गिरे। यह गंभीर मामला है। अंतिम न्याय, बाकी सब चीजों की तरह, मुख्य रूप से खुद भगवान से संबंधित है।

प्रकाशितवाक्य 15:3 और 4. फिर मैंने स्वर्ग में एक और चिन्ह देखा, सात स्वर्गदूत जिनके पास सात विपत्तियाँ थीं, जो अंतिम हैं, क्योंकि उनके साथ परमेश्वर का क्रोध समाप्त हो गया है। मैंने देखा कि कांच का एक समुद्र था, जो आग से मिला हुआ था, और वे संख्याएँ भी थीं जिन्होंने जानवर और उसकी छवि और उसके नाम की संख्या पर विजय प्राप्त की थी, जो कांच के समुद्र के पास परमेश्वर की वीणाओं के साथ खड़े थे। यहाँ वह धारणा कहाँ से आती है, उनके हाथों में। और वे परमेश्वर के सेवक मूसा का गीत और मेग्ने का गीत गाते हैं।

एक बार फिर, 24 बुजुर्ग, जनजातियाँ और प्रेरित। मूसा का गीत, पुराना नियम, मेग्ने का गीत, नया नियम। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कहती है कि बाइबल एक ही उद्देश्य वाली एक पुस्तक है।

ओह, निश्चित रूप से अलग-अलग तरीकों से प्रशासित किया जाता है। पुराना नियम नया नियम नहीं है, लेकिन यह सब एक पवित्र शब्द का हिस्सा है। हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, आपके कार्य महान और अद्भुत हैं।

हे राष्ट्रों के राजा, आपके मार्ग न्यायपूर्ण और सत्य हैं। कौन यहोवा का भय नहीं मानेगा और आपके नाम की महिमा नहीं करेगा? यही अंतिम न्याय का उद्देश्य है, क्योंकि केवल आप ही पवित्र हैं।

सभी राष्ट्र आएंगे और आपकी पूजा करेंगे, क्योंकि आपके धार्मिक कार्य प्रकट हुए हैं। एक और जगह। 16: 5, और 6. परमेश्वर के क्रोध के सात कटोरे।

बहुत गंभीर मामला है। जब स्वर्गदूतों ने अविश्वासी मानवता पर परमेश्वर के क्रोध के कटोरे उंडेले, तो मैंने पानी के प्रभारी स्वर्गदूत को सुना; तीसरा कटोरा पानी पर उंडेला गया, कहो, चिल्लाओ, कहो, मैंने पानी के प्रभारी स्वर्गदूत को कहते सुना, प्रकाशितवाक्य 16, 5 और 6। हे पवित्र जन, जो है और जो था, तू ही न्यायी है, क्योंकि तूने ये न्यायदंड लाए हैं। क्योंकि उन्होंने संतों और भविष्यद्वक्ताओं का खून बहाया है, और तूने उन्हें खून पिलाया है।

यह वही है जिसके वे हकदार हैं। और मैंने वेदी को यह कहते हुए सुना, हाँ, प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, आपके निर्णय सत्य और न्यायपूर्ण हैं। हमारे अगले व्याख्यान में, हम अंतिम निर्णय के उद्देश्यों के साथ जारी रहेंगे, लेकिन हमने यह मुद्दा उठाया है कि सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य स्वयं परमेश्वर और उसकी महिमा से संबंधित है।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 18 है, शरीर का पुनरुत्थान, अंतिम निर्णय का समय।